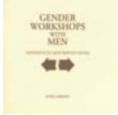

Contribution
INR-25/-

Gender Workshops with Men: Experiences and Reflections-This pamphlet deals with the experiences of conducting gender trainings with men in a series of workshops organized in South Asia. Pertinent questions raised by male participants in these workshops, discussions on crucial issues and reflections of the trainers have been included in this pamphlet.

Contribution
INR-20/-

Development and Sustainable Development-This pamphlet critically analyses the predominant model of capitalist development based on profit, greed and for the benefit of a few as exploitative, ecologically destructive and centralized. In this pamphlet examples are used to provide evidence that people centred, participatory model of development is sustainable and long lasting.

Contribution
INR-40/-

Living Feminisms: Jagori: a journey of 20 years This book is an attempt to trace the growth of Jagori, as a feminist organization simultaneously with the women' movement over two decades. It defines Jagori as a space where feminist theory meets practice and which retains the individual contributions of its founders and of those who have been a part of the organization.

Contribution
INR 300/-

Is This Our City? The research study report raises the issue of safety of public spaces for women in Delhi and is the outcome of social audits conducted. This report also challenges the conventional understanding of safety, which puts the entire burden and responsibility for women's protection, prevention and safety on women.

Contribution
INR 20/-

Rights for all: ending discrimination against queer desire under section 377-This booklet is compilation of articles focusing on discriminatory sections of IPC section 377, testimonies of human rights violations, justifications by GOI for usage of section 377, campaigns by CSOs for advocacy and lobbying to create a favorable public opinion for protection of queer rights.

Contribution
INR 50/-

Working together to make Delhi violence free for women and girls: Infopack on safe city initiatives This information kit comprises of advocacy and lobbying materials, which can be used by those working on issues of safety in public spaces for women.

Contribution
INR 25/-

Rights and Dignity: Women Domestic Workers in Jaipur

A research report based on the findings of a study conducted on the problems and rights of women domestic workers in Jaipur. An useful resource and study material on women, work and labour rights issue.

Contribution
INR 75/-

Rights and Dignity: Women Domestic Workers in India: This infopack contains, study of migrant women domestic workers in Jaipur, articles reflecting the nature of domestic work and its implications for female domestic workers and a collection of laws, rights, and reviews done in India and abroad.

Audio Cassettes of Feminist songs
8 Volume in Hindi INR 35/- each

JAGORI
B-114, Shivalik Malviya Nagar
New Delhi-110017
Telephone: 011-26691219,20
Email: distribution@jagori.org
website:www.jagori.org

POSTERS

Theme: Girl Child
English,Hindi and Urdu
INR 45/-
of 9 posters

Theme: Girl child
Education
Hindi
INR 15/-

Theme: Literacy
Hindi, English and Urdu
INR 45
of 4 posters

Theme: Peace
Hindi, English and Urdu
INR 25/-

Theme: VAW
Hindi
INR 15/-

POSTERS

Theme: Health
Hindi
INR 15/-

Theme: Work
Hindi
INR 15/-

Hindi
INR 10/-

Theme:
F.I.R. Information
Hindi
INR 15/-

Theme: Domestic
Violence Act.
Hindi
INR 15/-

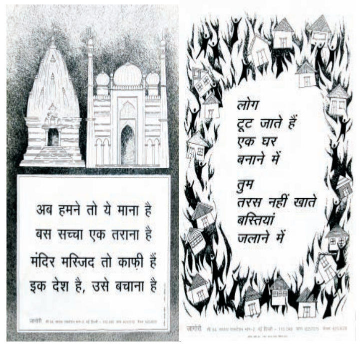

Theme: Peace
Hindi
INR 15/-

MP-3 CD of 103 Feminist
Songs in Hindi
INR 100/-

हिन्दी

आओ मिल जुल गाएं– नारीवादी गीतों का संकलन।

सहयोग 60/–

अमन की आवाज़ें– विभिन्न जन आंदोलनों से जुड़े प्रगतिशील कवियों की कविताओं और गीतों का संकलन।

सहयोग 40/–

लड़की क्या है ? लड़का क्या है ?– लड़की और लड़के के बीच कुछ जैविक फ़र्क़ होते हैं, पर कुछ फ़र्क़ सामाजिक और माहौल द्वारा बनाए गये हैं। इन्ही फ़र्क़ों के ज़रिए समाज लड़की व लड़के को गढ़ने में मदद करता है। इस सरल पुस्तक में लड़के व लड़की के बीच के फ़र्क़ों और इनसे उत्पन्न असमानताओं को समझाने की कोशिश की गई है।

सहयोग 55/–

भला ये जेंडर क्या है ?– स्त्री–पुरुष के बीच प्राकृतिक फ़र्क़ों पर सामाजिक लिंग से जन्मे भेदभाव व असमानताएं औरतों के दोयम दर्जे को बढ़ावा देते हैं। यह पुस्तक प्रश्न–उत्तर के माध्यम से जेंडर से जुड़ी विचारधारा व सवालों पर चर्चा करके इन जटिलताओं को सरलता से समझाने का प्रयास है।

सहयोग 60/–

काश:मुझे किसी ने बताया होता!!– बच्चों के साथ घर की चारदीवारी मे होने वाली यौन हिंसा को उजागर करने वाली पुस्तक। जिसमें कुछ ऐसे व्यवहारों पर चर्चा की गई है जिनके बारे में बच्चों को जानकारी देने से वे अपने साथ होने वाली इस हिंसा को पहचान कर इसे रोकने में सक्षम होंगे।

सहयोग 15/–

पुरुषों के साथ जेंडर कार्यशालाएं: अनुभव व चिंतन– इस पुस्तक में पुरुषों के साथ जेंडर कार्यशालाओं के दौरान अनुभव बांटे गए हैं। दक्षिण एशिया के छः देशों, बंगलादेश, भारत, मालद्वीप, नेपाल, पाकिस्तान व श्रीलंका के सहभागियों के साथ आयोजित इन कार्यशालाओं में जेंडर की सैद्धांतिक समझ बनाने का प्रयास किया गया था। पुरुष सहभागियों द्वारा उठाए प्रश्नों और भ्रांतियों को इसमें सम्बोधित किया गया है।

सहयोग 25/–

भीलवाड़ा में डायन प्रथा (शोध अध्ययन)– इस शोध रिपोर्ट में राजस्थान के भीलवाड़ा इलाके में प्रचलित 'डायन प्रथा' पर अध्ययन किया गया है। महिला सशक्तिकरण के दौर में इस अमानवीय प्रथा की सच्चाइयों को उजागर करती हुई यह शोध रिपोर्ट महिला हिंसा के एक और सामाजिक आयाम से हमें रूबरू कराती है।

सहयोग 25/–

अधिकार और सम्मान: जयपुर महिला घरेलू कामगार– जयपुर में जागोरी द्वारा घरेलू कामगार महिलाओं पर शोध अध्ययन की यह रिपोर्ट महिला–काम व अधिकारों की दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। कपड़े की फैक्टरियों में कार्यरत, घर पर पीस रेट पर काम करती, ठेले–स्टॉल लगाती और घरों में चौबीस घंटे या कुछ समय कार्यरत महिला कामगारों की समस्याओं को इस रिपोर्ट में उभारा गया है।

सहयोग 25/–

पितृसत्ता क्या है ? औरतों के समाज में कमतर व दोयम दर्जे के लिए पितृसत्ता को ज़िम्मेदार ठहराया गया है। यह सोच औरतों को पुरुषों से कम व उनके आधीन मानती है। प्रश्न–उत्तर के माध्यम से यह पुस्तक पितृसत्तात्मक विचारधारा को नारीवादी नज़रिये से समझाने की कोशिश है।

सहयोग 25/–

नारीवाद आख़िर है क्या ? नारीवाद को लेकर फैली गलतफ़हमियों और कौतूहल को प्रश्न–उत्तर के माध्यम से विकास कार्यकर्त्ताओं, विद्यार्थियों और नागरिक समाज के सदस्यों तक पहुँचाने का यह एक प्रयास है।

सहयोग 40/–

मर्द, मर्दानगी व मर्दवाद–मर्द, मर्दानगी व मर्दवाद के मुद्दे पर प्रश्न–उत्तर के माध्यम से इस पुस्तक में विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। परिवार, रिश्तों व मानस पर मर्दानगी के प्रभाव तथा हिंसा के साथ इसके सीधे संबंध को इस पुस्तक में समझाया गया है। मर्दानगी की परिभाषा व इसे सीमित करने वाले कारकों को भी इस पुस्तक के ज़रिए समझा जा सकता है।

सहयोग 60/–

हिंसा अब और नहीः सुरक्षा से आत्मरक्षा की ओर–महिलाओं पर हिंसा की राजनीति व समाज के पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देने वाली यह पुस्तक लड़कियों के लिए आत्मरक्षा की अहमियत पर ज़ोर देती है। इसमें आमतौर पर होने वाली हिंसा की घटनाओं से निपटने के लिए कुछ मूल सुझाव दिये गये हैं।

सहयोग 45/–

ENGLISH

Birthing with Dignity- A practical guide for training community level midwives and health workers. This training manual comprises of eleven sections focusing on different themes related to birthing and also contains relevant reading materials, personal narratives and experiences of practitioners.

contribution
INR 250/-

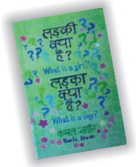

What is a girl? What is a boy?-This beautifully illustrated book is an effort to break stereotypes associated with girls and boys. Sharing biological differences between girls and boys, it explores the social stigmatization and discrimination caused as a result and emphasizes the need to challenge and change these stereotypes.

contribution
INR 55/-

Swept off the Map This book is the outcome of a two year long research study and tracks the lives of nearly 3,000 evicted households which were relocated to Bawana on the margins of the city, and describes their struggle to live with dignity in the face of assaults on their identities, homes, rights and lives.

contribution
INR 225/-

हमारी बेटियां इंसाफ़ की तलाश में–यह पुस्तक समाज में बच्चियों के साथ होने वाली नाइंसाफ़ियों और अन्याय की बात करती है। भ्रूण हत्या, खान पान में कमी, बाल विवाह, छोटी उम्र में गर्भधारण, शिक्षा–सेहत–मान का अभाव, काम का बोझ आदि कारण जो इन किशोरियों को फल–फूलने और आगे बढ़ने से रोकते हैं पर इसमें चर्चा की गई है।

सहयोग 25/–

चलो ख़तरों को वरदान बनाएं: (जवान और एच आई वी/एड्स) युवाओं को एच आई वी/एडस के विषय पर जानकारी प्रदान करती इस पुस्तक में सुरक्षित यौन संबंध, रिश्तों में संवेदनशील रवैयों, शरीर की देखभाल और समानता आधारित प्रेम संबंधों की बात की गई है।

सहयोग 100/–

उल्टी सुल्टी अम्मा–बच्चों के मन में जिज्ञासा और कौतूहल पैदा करने वाली रोज़मर्रा की बातों पर आधारित काव्य पुस्तक।

सहयोग 70/–

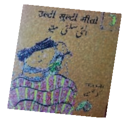

उल्टी–सुल्टी मीतो– बच्चों के बचपन और मनमानी के नाम इस पुस्तक की किरदार एक छोटी बच्ची, मीतो है जो शरारतों, शैतानियों और ज़िद करती है। आमतौर पर मस्ती करने का हक़ लड़कियों से छीन लिया जाता है। पर इस मीतो की उमंग और जोश में माँ ने अपना बचपन भी जी लिया है।

सहयोग 70/–

धम्मक धम–एक समान परिवार की कल्पना लिए कविताओं की पुस्तक जो एक खुशगवार, भेदभाव रहित स्नेहिल परिवार जहाँ स्त्री–पुरुष, बेटे–बेटी में फ़र्क़ नही है, की छवि पेश करती हैं।

सहयोग 25/–

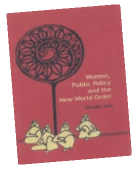

Women, Public Policy and the New World Order- Reviewing public policies and economic order, through the critical lens of equality and social justice, booklet discovers the fascinating role and engagement of women with knowledge systems, work, struggle for identity and prominence within policies and demands the creation of a new world order.

Contribution
INR-50/-

Turning Dangers into Opportunities A simply written book Specially addressing youth, which talks about HIV/AIDS and the dangers of casual sexual relationships without responsibility.

Contribution
INR-100/-

Laughing Matters An effort at feminist humour and laughing at ourselves, this book is the only one of its kind which uses snippets, jokes, one liners, slogans and visual illustrations to raise pertinent feminist issues.

Contribution
INR-50/-